Baba’s Praise

31/7/2015

- बच्चों ने अपने बाप की महिमा सुनी। महिमा एक की ही है। और कोई की महिमा गाई नहीं जा सकती। जबकि ब्रह्मा-विष्णु-शंकर की भी कोई महिमा नहीं है। ब्रह्मा द्वारा स्थापना कराते हैं, शंकर द्वारा विनाश कराते हैं, विष्णु द्वारा पालना कराते हैं। लक्ष्मी-नारायण को ऐसा लायक भी शिवबाबा ही बनाते हैं, उनकी ही महिमा है, उनके सिवाए फिर किसकी महिमा गाई जाए। इनको ऐसा बनाने वाला टीचर न हो तो यह भी ऐसे न बनें।
- महिमा है ही सिर्फ एक की, दूसरा न कोई। ऊंच ते ऊंच शिवबाबा ही है। उनसे ही ऊंच पद मिलता है तो उनको अच्छी तरह से याद करना चाहिए ना।

- बाप ही यहाँ आकर मुख वंशावली रचते हैं। भारत को ही मदर कन्ट्री कहा जाता है क्योंकि यहाँ ही शिवबाबा मात-पिता के रूप में पार्ट बजाते हैं।
- विश्व में शान्ति बाप ही कर सकते हैं और कोई की ताकत नहीं। अभी बाप हमको राजयोग सिखला रहे हैं, नई दुनिया के लिए राजाओं का राजा कैसे बन सकते हैं वह बतलाते हैं। बाप ही नॉलेजफुल है। परन्तु उनमें कौन-सी नॉलेज है, यह कोई नहीं जानते हैं। सृष्टि के आदि-मध्य-अन्त की हिस्ट्री-जॉग्राफी बेहद का बाप ही सुनाते हैं।
- जब बहुत दु:खी होते हो तब बाप आते हैं। महा अजामिल जैसे पापियों का भी उद्धार करते हैं। बाप कहते हैं मैं सबको ले जाऊंगा मुक्तिधाम।

- बाप तुम सब बच्चों को ज्ञान की रोशनी देते हैं उससे ताला खुलता जाता है। फिर भी कोई-कोई की बुद्धि खुलती नहीं। कहते हैं बाबा आप बुद्धिवानों की बुद्धि हो।